# New Latest Mata Gayatri Aarti Lyrics in Hindi English

## Mata Gayatri Aarti Lyrics in Hindi

जयति जय गायत्री माता,
जयति जय गायत्री माता ।
सत् मारग पर हमें चलाओ,
जो है सुखदाता ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

आदि शक्ति तुम अलख निरंजन जगपालक कर्त्री ।
दु :ख शोक, भय, क्लेश कलश दारिद्र दैन्य हत्री ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

ब्रह्म रूपिणी, प्रणात पालिन जगत धातृ अम्बे ।
भव भयहारी, जन-हितकारी, सुखदा जगदम्बे ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

भय हारिणी, भवतारिणी, अनघेअज आनन्द राशि ।
अविकारी, अखहरी, अविचलित, अमले, अविनाशी ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

कामधेनु सतचित आनन्द जय गंगा गीता ।
सविता की शाश्वती, शक्ति तुम सावित्री सीता ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

ऋग, यजु साम, अथर्व प्रणयनी, प्रणव महामहिमे ।
कुण्डलिनी सहस्त्र सुषुमन शोभा गुण गरिमे ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

स्वाहा, स्वधा, शची ब्रह्माणी राधा रुद्राणी ।
जय सतरूपा, वाणी, विद्या, कमला कल्याणी ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

जननी हम हैं दीन-हीन, दु :ख-दरिद्र के घेरे ।
यदपि कुटिल, कपटी कपूत तउ बालक हैं तेरे ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

स्नेहसनी करुणामय माता चरण शरण दीजै ।
विलख रहे हम शिशु सुत तेरे दया दृष्टि कीजै ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

काम, क्रोध, मद, लोभ, दम्भ, दुर्भाव द्वेष हरिये ।
शुद्ध बुद्धि निष्पाप हृदय मन को पवित्र करिये ॥
॥ जयति जय गायत्री माता.. ॥

जयति जय गायत्री माता,
जयति जय गायत्री माता ।
सत् मारग पर हमें चलाओ,
जो है सुखदाता ॥

## Mata Gayatri Aarti Lyrics in English

Jayati Jay Gayatri Mata,
Jayati Jay Gayatri Mata.
Sat Marg Par Humein Chalao,
Jo Hai Sukhdata.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Adi Shakti Tum Alakh Niranjan Jagpalak Kartri,
Dukh Shok, Bhay, Klesh Kalash Daridra Dainya Hatri.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Brahm Roopini, Pranat Palini Jagat Dhatr Ambey,
Bhav Bhayhari, Jan-Hitkari, Sukhda Jagadambe.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Bhay Harini, Bhavtarini, Anaghe Aj Anand Rashi,
Avikari, Akhari, Avichalit, Amale, Avinashi.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Kamadhenu Satchit Anand Jay Ganga Geeta,

Savita Ki Shashwati, Shakti Tum Savitri Sita.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Rig, Yajur Sam, Atharv Pranayani, Pranav Mahamahime,
Kundalini Sahastra Sushumna Shobha Gun Garime.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Swaha, Swadha, Shachi Brahmani Radha Rudrani,
Jay Satarupa, Vani, Vidya, Kamala Kalyani.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Janani Hum Hai Din-Heen, Dukh-Daridra Ke Ghere,
Yadpi Kutill, Kapati Kaput Tau Balak Hai Tere.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Sneh Sani Karunamay Mata Charan Sharan Deejiye,
Vilakh Rahe Hum Shishu Sut Tere Daya Drishti Keejiye.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Kaam, Krodh, Mad, Lobh, Dambh, Durbhav Dvesh Hariye,
Shuddh Buddhi Nishpap Hriday Man Ko Pavitra Kariye.
 Jayati Jay Gayatri Mata..

Jayati Jay Gayatri Mata,
Jayati Jay Gayatri Mata.
Sat Marg Par Humein Chalao,
Jo Hai Sukhdata.

## About Mata Gayatri Aarti in English

Mata Gayatri Aarti is a powerful and devotional prayer dedicated to Goddess Gayatri, who is considered the personification of the Gayatri Mantra, the most sacred mantra in Hinduism. Goddess Gayatri represents divine wisdom, knowledge, and enlightenment. She is revered as the mother of the Vedas and the embodiment of all the divine energies that lead one towards spiritual awakening and ultimate truth.

This Aarti praises Mata Gayatri for her divine qualities and seeks her

blessings to remove ignorance and guide devotees on the righteous path of wisdom and knowledge. The hymn celebrates her as the source of all creation and a divine protector who nurtures and elevates her devotees. Mata Gayatri is depicted as the source of peace and tranquility, as well as the remover of obstacles and sufferings.

The prayer also acknowledges her many forms, including her role as the embodiment of Brahman, the supreme consciousness. By chanting this Aarti, devotees seek Mata Gayatri's grace for wisdom, purity of heart, mental clarity, and success in all endeavors. The Aarti is a reminder of her infinite power, her role as a teacher, and the ultimate guide who leads her devotees toward liberation and eternal bliss.

## About Mata Gayatri Aarti in Hindi

माता गायत्री की आरती एक शक्तिशाली और भक्तिपूर्ण प्रार्थना है, जो देवी गायत्री को समर्पित है। देवी गायत्री को ज्ञान, बुद्धि और आत्मिक उन्नति की देवी के रूप में पूजा जाता है। वह गायत्री मंत्र की स्वरूपा हैं, जो हिन्दू धर्म का सबसे पवित्र मंत्र है और समग्र सृष्टि की ऊर्जा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती हैं। देवी गायत्री को वेदों की माता और समस्त ब्रह्मांड की उत्पत्ति और पालन करने वाली शक्ति के रूप में पूजा जाता है।

यह आरती देवी गायत्री की दिव्य शक्तियों की प्रशंसा करती है और भक्तों से उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करती है। आरती में देवी गायत्री को शांति, समृद्धि और ज्ञान की देवी के रूप में वर्णित किया गया है। साथ ही यह भी प्रकट किया गया है कि देवी गायत्री अपने भक्तों को अज्ञान से मुक्ति दिलाकर उन्हें आत्मज्ञान और सच के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं।

इस आरती का पाठ मानसिक शांति, शुद्धता, और जीवन में सफलता के लिए किया जाता है। भक्तों का मानना है कि देवी गायत्री की आरती का श्रवण या पाठ करने से जीवन में समृद्धि, सुख और संतुलन प्राप्त होता है और वे देवी की कृपा से आत्मिक उन्नति और शांति प्राप्त करते हैं।